an>

Title: Need to give compensation to people affectd due to flood in Hamirpur Parliamentary Constituency.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर): अध्यक्ष महोदया, जिस तरह मेरे पूर्व सांसदों ने देवघर की घटना पर अपनी चिन्ता व्यक्त की है, मैं उनके साथ अपने विचार साझे करता हूं।...(व्यवधान)

प्रसन्नता इस बात की है कि गृह मंत्री जी ने साथ ही साथ उस बात पर अपनी चिन्ता व्यक्त की और अपना वक्तव्य भी दिया है। जब कश्मीर में आपदा आई और आंध्र प्रदेश में हुदहुद की घटना पिछले वर्ष हुई, तब भी केन्द्र की सरकार ने वहां अपनी ओर से पर्याप्त सुविधाएं दीं और सहायता भी उपलब्ध करवाई, लेकिन जब हिमाचल प्रदेश की बात आती है, न प्रदेश सरकार उसकी ओर ध्यान देती है और केन्द्र का भी ज्यादा ध्यान होना चाहिए।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि आठ अगस्त को मेरे लोक सभा क्षेत्र के धर्मपुर विधान सभा क्षेत्र में भारी बारिश के कारण पानी का स्तर बढ़ा, जिससे धर्मपुर बाजार की 200 से अधिक दुकानों को नुकसान हुआ, उसमें बसें बहकर चली गयीं, घर उसमें दब गए, लगभग 75 घरों को सीधे तौर पर नुकसान हुआ, तीन लोगों की मृत्यू हो गयी, दो दिन लगाने के बाद अब जाकर उनकी लाशें पूरी तरह से निकल पाई हैं। ऐसी घटना पिछले साल 15 अगस्त को भी हुई थी। 15 अगस्त की घटना में 16 अगस्त को पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रेम कुमार धूमल वहां अगले दिन पहुंच गए, लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री एक महीने बाद वहां पर आए। एक महीने आने के बाद भी तीन बिस्वा जमीन देने की बात कह कर गए, एक साल हो गया, उन 75 परिवारों के लोगों को तब से आज तक न वह तीन बिस्वा जमीन मिली है, न राहत मिली है। केन्द्र सरकार से मिले हुए 63 करोड़ रुपये आज तक वहां बंट नहीं पाए हैं, वहां उन लोगों को फिर से घर बनाने के लिए पैसा नहीं मिला है। जिन लोगों को जान-माल का नुकसान हुआ।...(व्यवधान) लगभग 500 पशुशाला बहकर चली गयीं, घर लोगों के पास नहीं है,...(व्यवधान) लोग एक साल से वहां इंतजार कर रहे हैं। इस बार की बारिश ने भी वही हालात पैदा कर दिए, एक ही परिवार के तीन लोग मर गए।...(व्यवधान) प्रदेश की सरकार चुप बैठी है, वहां सहायता नहीं मिलती है, सड़कें कट गयी हैं।...(व्यवधान) मैं कल जा रहा था, लेकिन मैं वहां तक नहीं पहुंच पाया। बिजली में गांव डूबे हुए हैं, सड़कें खत्म हो गयी हैं। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि प्रत्येक परिवार के मृतक को पांच-पांच लाख रुपये दिए जाएं और रोड नेटवर्क को बनाने के लिए पांच करोड़ रुपये केन्द्र सरकार की ओर से दिए जाएं।...(व्यवधान) पानी के बिना कोई नहीं जी सकता है, इसलिए तीन करोड़ रुपये उसके लिए मिलें और उन लोगों को घर बनाने के लिए पांच-पांच लाख रुपये की सहायता दी जाए ताकि पिछली बार की तरह जो लोग बेघर हो गए, हम सबके रहते हुए वे लोग बेघर न हों। एक ओर हम आदर्श ग्राम बनाने की बात करते हैं, लेकिन पिछली बार जिनके घर डूब गए, जो मर गए, उन गांवों का क्या होगा, वे आदर्श कब बनेंगे। मैं आप सभी के माध्यम से इस गांव को, आप सभी की सहायता से आदर्श गांव बनाकर वापस स्थापित करने का प्रयास करें। माननीय गृह मंत्री जी चले गए, काश, वे इस पर भी अपना बयान देते तो मुझे प्रसन्नता होती, लेकिन सहायता भी दें और प्रदेश सरकार को कहें कि धर्मपुर की इन पांच पंचायतों को ज्यादा से ज्यादा लाभ देकर जल्द से जल्द सहायता मुहैया करवाई जाए।

माननीय अध्यक्ष :

श्री वीरेन्द्र कश्यप,

श्री सुधीर गुप्ता एवं

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : बाकी शून्यकाल दो बजे लिया जाएगा।

The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

<u>12.46 hrs</u>

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

<u>14.01 hrs</u>

The Lok Sabha re-assembled at One Minute past Fourteen

of the Clock.

(Hon. Deputy-Speaker *in the Chair*)

HON. DEPUTY-SPEAKER: Now, the House will take up 'Zero Hour'.

<u>14.01 hrs</u>

At this stage, Shri K.C. Venugopal and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)